अप्रैल में वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर

दोपहिया वाहन बिक्री में 28 .4% की बढ़ोतरी दर्ज

मांग में मजबूती से ऑटो सेक्टर को मिला सहारा

नई दिल्ली, 14 मई देश में वाहनों की मांग में पिछले साल सितंबर से जारी तेजी अप्रैल 2026 में भी बरकरार रही. इस दौरान घरेलू बाजार में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई.

वाहन निर्माताओं के संगठन सीआईएएम द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सभी प्रमुख सेगमेंट में सालाना आधार पर मजबूत वृद्धि देखने को मिली है. अप्रैल 2026 में देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया. यात्री वाहनों की बिक्री, जिनमें कारें, उपयोगी वाहन और वैन शामिल हैं, में स्थिर वृद्धि देखने को मिली. बाजार में मांग में सुधार का यह सिलसिला पिछले कई महीनों से जारी है.

तिपहिया वाहनों की बिक्री में इस महीने सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की गई. यह आंकड़ा 32.8 प्रतिशत बढ़कर 4,37,312 इकाई तक पहुंच गया. पिछले वर्ष इसी अवधि में यह बिक्री 3,28,847 इकाई थी. यह वृद्धि मुख्य रूप से शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में परिवहन की बढ़ती जरूरतों के कारण देखी गई. दोपहिया वाहनों के सेगमेंट में भी मजबूत उछाल दर्ज किया गया. कुल बिक्री 28.4 प्रतिशत बढ़कर 18,72,691 इकाई पर पहुंच गई, जबकि पिछले साल यह 14,59,491 इकाई थी.

इस श्रेणी में मोटरसाइकिल और स्कूटर दोनों की बिक्री में सुधार देखने को मिला. विशेष रूप से स्कूटरों की बिक्री 26.2 प्रतिशत बढ़कर 6,91,993 इकाई तक पहुंच गई.

मोटरसाइकिल सेगमेंट में भी 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, और कुल बिक्री 11,35,442 इकाई रही.

> ऑटो सेक्टर में यह तेजी स्थिर आर्थिक स्थिति, बेहतर उपभोक्ता विश्वास और त्योहारों के बाद बनी मांग के कारण है. हालांकि वैश्विक स्तर पर कमोडिटी कीमतों में उतार-चढ़ाव को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं, लेकिन घरेलू बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है. कुल मिलाकर, अप्रैल 2026 के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार लगातार मजबूत हो रहा है और आने वाले महीनों में भी इस रफ्तार के जारी रहने की उम्मीद है.

एयरटेल का मुनाफा 39 प्रतिशत बढ़कर 7,245 करोड़ रुपए रहा

नयी दिल्ली, 14 मई देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में समेकित आधार पर 7,245 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया, जो एक साल पहले की समान तिमाही के मुकाबले 38.7 प्रतिशत अधिक है.

कंपनी के निदेशक मंडल की बुधवार को हुई बैठक के बाद जारी वित्तीय परिणामों के अनुसार, तिमाही के दौरान उसका कुल राजस्व 15.7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 55,383 करोड़ रुपये हो गया. उसका परिचालन लाभ 16.9 फीसदी बढ़कर 32,038 करोड़ रुपये रहा.

निदेशक मंडल ने पूरी तरह से चुकता इक्विटी शेयर पर प्रति शेयर 24 रुपये के लाभांश की भी घोषणा की.

जीटीएल इंफ्रा का लाभ और 5जी में अवसर

ईबीआईटीडीए में 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज

26,000 टॉवरों का व्यापक नेटवर्क मजबूत आधार

नई दिल्ली, 14 मई देश की टेलीकॉम आधारभूत संरचना कंपनी जीटीएल इंफ्रास्ट्रक्चर ने मार्च 2026 की तिमाही में अपने संचालन में मजबूती दिखाई है. कंपनी का ईबीआईटीडीए बढ़कर 64.84 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 49.22 करोड़ रुपये था. यानी इसमें लगभग 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

यह दर्शाता है कि कंपनी का मुख्य कारोबार पहले की तुलना में अधिक मजबूत और लाभदायक हो रहा है. वहीं, देश में 5जी नेटवर्क के तेजी से विस्तार से इसे आने वाले समय में और फायदा मिलने की संभावना है.

जीटीएल इंफ्रास्ट्रक्चर एक टेलीकॉम टावर कंपनी है. यह मोबाइल नेटवर्क कंपनियों को टावर और नेटवर्क संरचना उपलब्ध कराती है. कंपनी खुद मोबाइल सेवा प्रदान नहीं करती, बल्कि पूरे देश में टेलीकॉम कंपनियों के लिए आधारभूत ढांचा तैयार करती है. कंपनी का ईबीआईटीडीए यह दर्शाता है कि मुख्य कारोबार से कंपनी कितनी आमदनी कमा रही है, जिसमें ब्याज, कर और अन्य गैर-संचालन खर्च शामिल नहीं होते. मार्च 2026 तिमाही में कंपनी का ईबीआईटीडीए 64.84 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल 49.22 करोड़ रुपये था. इस तरह इसमें 31.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई. साथ ही, कंपनी की प्रति शेयर आमदनी (ईपीएस) 0.19 रुपये से बढ़कर 0.91 रुपये हो गई. कंपनी के पास लगभग 26,000 टावर हैं, जो भारत के सभी 22 टेलीकॉम सर्किलों में फैले हुए हैं.

> अब भारत में 5जी तकनीक का तेजी से विस्तार हो रहा है. 5जी नेटवर्क के लिए अधिक टावर और मजबूत नेटवर्क की जरूरत होती है. इससे टावर कंपनियों की मांग बढ़ती है और जीटीएल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी कंपनियों के लिए अवसर बढ़ जाते हैं. 5जी के विस्तार से टावर साझा करने वाला मॉडल और बढ़ेगा. इससे कंपनी नए अनुबंध और बढ़ी हुई आमदनी प्राप्त कर सकती है.

मंदी की ओर बढ़ रही अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, 14 मई दुनिया की बड़ी वित्तीय संस्थाओं और अर्थशास्त्रियों ने वैश्विक आर्थिक मंदी को लेकर चेतावनी दी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक 2026 में वैश्विक मंदी की संभावना 35 से 40 फीसदी तक जताई गई है.

अमेरिका की आक्रामक टैरिफ नीति, कमजोर उपभोक्ता खर्च और ट्रेड वॉर को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा है. विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत जरूर है, लेकिन वैश्विक सुस्ती का असर भारतीय बाजारों पर भी पड़ सकता है.

दुनिया की अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता लगातार बढ़ती जा रही है. जेपी मॉर्गन और मैकिंजी जैसे बड़े वित्तीय संस्थानों ने 2026 में वैश्विक मंदी की आशंका जताई है. रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक स्तर पर आर्थिक सुस्ती की संभावना 35 से 40 फीसदी तक पहुंच गई है. इसके पीछे अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी, ट्रेड वॉर और कमजोर उपभोक्ता मांग को मुख्य कारण बताया जा रहा है.

मशहूर अर्थशास्त्री और मेरिल लिंच के पूर्व फोरकास्टर गैरी शिलिंग ने भी अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर गंभीर चेतावनी दी है. उन्होंने कहा कि 2026 के अंत तक अमेरिका मंदी की चपेट में आ सकता है. शिलिंग के मुताबिक हाउसिंग मार्केट में सुस्ती, कॉर्पोरेट निवेश में गिरावट और उपभोक्ताओं की कमजोर होती क्रय शक्ति चिंता का बड़ा कारण है. उन्होंने शेयर बाजार में बड़े करेक्शन की भी आशंका जताई है.

> अरबपति निवेशक लियोन कूपरमैन ने भी बाजार की मौजूदा स्थिति पर चिंता जाहिर की है. उनका कहना है कि शेयर बाजार का मूल्यांकन जरूरत से ज्यादा ऊंचा हो चुका है और कई आर्थिक जोखिम एक साथ बढ़ रहे हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक बाजारों में गिरावट आती है तो उसका असर दुनिया की अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर भी दिखाई देगा .भारत की बात करें तो घरेलू मांग और मजबूत बैंकिंग सिस्टम देश को कुछ हद तक सुरक्षा दे सकते हैं.

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल, सामान्य रूप से हो रहे कार्य

नई दिल्ली, 14 मई। वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनियामहसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार केबजट तक पहुंच चुका है।

कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं। लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया।

28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर परपेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तकमहंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है।सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर होगया है।

> जब दुनिया ऊर्जा संकट कीआग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपनेनागरिकों के साथ खड़ी रही। दुनिया भर में बढ़तीकीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता थाऔर कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना।मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी कीरसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रतिलीटर का भार वहन किया।

नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशतमहंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत मेंअब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है। प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारणबात नहीं है।

अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार औरतेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशीलसोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। लेकिन साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते हीस्थितियां बदलनी शुरू हुईं। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खड़ी है। तेलभंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाई गई,

वैकल्पिक ईंधननेटवर्क विकसित हुआ और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ। वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एलपीजी की मांग को 70 से 75 हजारटन प्रति दिन कम किया गया। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकिपीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायोमास की वैकल्पिक अवसंरचना संकट से पहले से तैयार थी।

भारतीय शेयर बाजारों में आई तेजी

789 अंक चढ़ा सेंसेक्स

277 अंक की ऊंचाई निफ्टी में

मुंबई, 14 मई बैंकिंग, धातु और फार्मा सेक्टरों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी देखी गयी और प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स 789.74 अंक (1.06 प्रतिशत) चढ़कर 75,398.72 अंक पर पहुंच गया. यह लगातार दूसरा दिन है जब बाजार में तेजी रही है. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 277 अंक यानी 1.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,689.60 अंक पर बंद हुआ.

वृहत बाजार में निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.17 प्रतिशत चढ़ा जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.01 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी.

आईटी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में लिवाली रही. निफ्टी आईटी सूचकांक 1.99 प्रतिशत गिर गया. धातु, फार्मा और स्वास्थ्य सेक्टरों के सूचकांक दो से तीन प्रतिशत तक ऊपर रहे. बैंकिंग, वित्त, रसायन, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और मीडिया समूहों की कंपनियों में भी निवेशकों ने अच्छा पैसा लगाया.

सेंसेक्स में भारती एयरटेल का शेयर सबसे अधिक सवा पांच फीसदी से ज्यादा की बढ़त में रहा. कंपनी के अच्छे तिमाही परिणाम के बाद यह तेजी देखी गयी. इटरनल का शेयर सवा तीन प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक का ढाई फीसदी और अडानी पोर्ट्स का दो प्रतिशत से अधिक की बढ़त में रहा.

अडानी एयरपोर्ट्स के पास खुलेंगे होटल

मुंबई, 14 मई देश के हवाई अड्डा क्षेत्र में बड़ी साझेदारी देखने को मिली है. अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड और ब्रिटेन की होटल कंपनी आईएचजी होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, भारत के पांच प्रमुख शहरों में नए होटल विकसित किए जाएंगे. यह होटल उन शहरों में बनाए जाएंगे जहां अडानी समूह के एयरपोर्ट संचालित होते हैं. इस समझौते के तहत 1,500 नए कमरे विभिन्न ब्रांड्स के तहत जोड़े जाएंगे. इसमें जयपुर में 'किम्पटन होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स' की शुरुआत भी शामिल है, जो भारत में इस ब्रांड का पहला प्रवेश होगा. इसके अलावा नवी मुंबई, मेंगलुरु तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों में 'हॉलिडे इन' और 'हॉलिडे इन एक्सप्रेस' होटल भी विकसित किए जाएंगे.

कार्यालय कलेक्टर, जिला इन्दौर (म. प्र.)

क्रमांक INDAL0520260031 इन्दौर, दिनांक 09/MAY/2026

:: विज्ञप्ति ::

मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 (क्रमांक 1 सन् 1994) और उसके अधीन बनाए गए मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत कालोनियों) का विकास) नियम 2014 के अधीन एतद द्वारा ग्राम असरावद बुजुर्ग तहसील खुडेल जिला इन्दौर जिला इन्दौर में आवासीय भूखण्डीय विकास प्रयोजन हेतु कालोनी विकसित करने की अनुज्ञा दी जाती है:-

अ क्र	कालोनाईजर का नाम व पता	स्थान जहां के लिये विकास अनुमति जारी की गई है	धरोहर के रुप में बंधक रखे गये भूखंडो काविवरण
1	2	3	4
1	भूमिस्वामी श्रीमती किरण मुरारका पति श्री प्रवीण मुरारका, श्री प्रवीण मुरारका पिता श्री गोकुलचंद मुरारका तर्फे विकासकर्ता टी. एस. विहार एल. एल. पी. तर्फे पार्टनर श्री सुमित मंत्री पिता श्री कल्याणमल मंत्री पता :- वंडरलैंड रियल स्टेट प्रा. लि. सर्वे नंबर 5/1/1 मिन अन्य ट्रेजर फेन्टेसी कैट राऊ रोड़, रंगवासा, इन्दौर, म.प्र. कालोनी "TREASURE SHUBHAM VIHAR"	ग्राम असरावद बुजुर्ग तहसील खुड़ैल जिला इन्दौर स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 119/2/1/2 रकबा 0.480 हे., 93/2/1 रकबा 0.202 हे., 94/1/1/2/1 रकबा 0.189 हे., 94/1/1/2/2 रकबा 0.569 हे., 94/1/2/1 रकबा 0.662 हे., 97/1/2/2 रकबा 0.662 है., 97/1 रकबा 0.447 हे., 97/2/1 रकबा 0.097 हे., 97/2/2/1 रकबा 0.051 है. 97/2/2/2 रकबा 0.299 है., 98/2/2 रकबा 0.028 हे., 119/2/1/3/1 रकबा 0.253 है.. 119/2/1/3/2 रकबा 0.253 है., 119/2/2/1/3 रकबा 0.098 है., 119/2/2/1/4 रकबा 0.506 है. एवं 119/2/2/2/2 रकबा 0.605 है. कुल रकबा 5.401 हेक्टेयर पर	बंधकनामा पंजीकरण क्रमांक एमपी 7 आईजी आर 17522025 ए101165597 इंदौर दिनांक 18.12.2025 से भूखण्ड क्रं. TSV-1 to TSV- 13, TSV-21 to TSV-23, TSV-26, TSV-27, TSV-35, TSV-38, TSV-49, TSV-68, TSV-71 to TSV74, TSV-80, TSV-81, TSV-85, TSV-86, TSV-89 to TSV 91, TSVC-3, TSVC-4 इस प्रकार कुल 35 भूखण्ड जिनका कुल क्षेत्रफल 9551.19 वर्गमीटर बंधक रखे गए है।

उपरोक्त कालम नंबर-4 में उल्लेखित 35 भूखंड इस कार्यालय में धरोहर के रूप में बंधक रखे गये है अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूखंडो का क्रय विक्रय आगामी आदेश तक नही किया जावेगा।

सक्षम प्राधिकारी एवं कलेक्टर महोदय द्वारा आदेशित)

अपर कलेक्टर,
जिला इंदौर म.प्र.

सोना महंगा, चांदी में बड़ी गिरावट,चांदी में 5,800 की गिरावट, सोना 1,100 तक हुआ महंगा

नई दिल्ली, 14 मई सोने और चांदी की कीमतों में आज सर्राफा बाजार और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में मिला-जुला रुख देखने को मिला. एक तरफ जहां सोने के दाम में तेजी दर्ज की गई, वहीं चांदी की कीमतों में भारी गिरावट आई. कस्टम ड्यूटी में बदलाव के बाद बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव का माहौल बना हुआ है.

एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में चांदी की कीमत करीब 5,800 तक गिर गई. 3 जुलाई डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 3,00,238 प्रति किलो पर बंद हुई थी, लेकिन आज यह गिरकर 2,94,450 तक पहुंच गई. सुबह के कारोबार में यह 2,98,000 के आसपास ट्रेड कर रही थी, जो लगातार दबाव को दर्शाता है. वहीं सोने की बात करें तो इसमें हल्की तेजी दर्ज की गई. 5 जून डिलीवरी वाला सोना कारोबार के दौरान 1,159 तक गिरने के बाद फिर से रिकवर हुआ और 480 की बढ़त के साथ 1,62,666 प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा.सर्राफा बाजार में भी इसी तरह का रुझान देखने को मिला. 24 कैरेट सोना ?330 की तेजी के साथ 1,62,330 पर पहुंच गया, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,800 और 18 कैरेट सोना 1,21,750 पर ट्रेड करता दिखा.

कर्नाटका बैंक लिमिटेड

आपका पारिवारिक बैंक संपूर्ण भारत मे.

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय
पी.बी. नं. 599, महावीरा सर्कल
कंकनाडी मंगलुरु 575002

फोन : 0824-2228145/392
ई-मेल : legal.recovery@ktkbank.com
वेबसाईट : www.karnatakabank.bank.in
CIN: L85110KA1924PLC001128

कानूनी एवं वसूली विभाग

1. मेसर्स श्री कृष्णा राइस एंड पोहा इंडस्ट्रीज, इसके प्रोप्रायटर श्री दिलीप गुप्ता द्वारा प्रतिनिधित्व
22/2, देवास, मक्सी लिंक रोड, ग्राम लालपुर, उज्जैन, मध्य प्रदेश 456010.
2. श्री दिलीप गुप्ता पिता श्री माणकलाल गुप्ता
72, दशहरा मैदान, उज्जैन, मध्य प्रदेश-456010
3. श्री निहार गुप्ता पिता श्री दिलीप गुप्ता
76, श्री विशाला कॉलोनी, उज्जैन, मध्य प्रदेश 456010

PSOD खाता संख्या 8077000600011201, जिसकी राशि रुपये 60,00,000.00 है, जिसे 1) आप (नंबर 1) मेसर्स श्री कृष्णा राईस एंड पोहा इंडस्ट्रीज, इसके प्रोप्रायटर श्री दिलीप गुप्ता द्वारा प्रतिनिधित्व एवं आप (नंबर 2) श्री दिलीप गुप्ता पिता श्री माणकलाल गुप्ता ने ऋणी के रुप में एवं आप (नंबर 3) श्री निहार गुप्ता पिता श्री दिलीप गुप्ता, ने सह-देनदार के रुप में लिया था; आप दोनों ही इस क्रेडिट सुविधा के संबंध में संबंधित समय पर और अब तक भी हमारी **उज्जैन शाखा** में ऋणी हैं। इस खाते को **27.08.2025 को 'नॉन-परफॉर्मिंग एसेट'** के रुप में वर्गीकृत किया गया है। इसके बाद, बैंक के अधिकृत अधिकारी द्वारा **22.04.2026** को आप सभी को 'वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002' की धारा 13(2) और 13(3) के तहत एक विस्तृत 'मांग नोटिस' जारी करके सरफेसी अधिनियम, 2002 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। हम यह मांग नोटिस **सरफेसी अधिनियम, 2002** और उसके तहत बनाए गए नियमों में निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार प्रकाशित कर रहे हैं।

दिनांक **21-04-2026** तक, बैंक के प्रति आपकी कुल देनदारी **रु. 66,22,001.96 (रुपये छाछठ लाख बाईस हजार एक एवं छियान्वे पैसे मात्र)** है, जिसमें नीचे उल्लिखित तिथि तक का ब्याज भी शामिल है। इस राशि पर, संबंधित तिथि से लेकर वास्तविक भुगतान होने तक, नीचे उल्लिखित दर से प्रति वर्ष (वार्षिक) ब्याज जोड़ा जाएगा, जिसकी गणना मासिक चक्रवृद्धि आधार पर की जाएगी। इसका विवरण नीचे दिया गया है:

प्रकृति एवं खाता क्रं.	बकाया शेष (रु.)	ब्याज की दर (मासिक चक्रवृद्धि)	ब्याज की गणना यहां तक की गई	निम्न तिथी से ब्याज जोड़ा जाएगा
PSOD A/c No. 8077000600011201	66,22,001.96	9.33%	31-03-2026	01-04-2026

आपको इस दस्तावेज़ के प्रकाशन की तिथि से **60 दिनों के भीतर** उक्त राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है।

अनुसूची

संपत्ति का विवरण	सुरक्षा की प्रकृति	संपत्ति का स्वामी और वह व्यक्ति (या वे व्यक्ति) जिन्होंने सुरक्षा निर्मित की	प्रतिभूति निर्माण की तिथी
1. आवासीय संपत्ति का वह संपूर्ण भाग, जिसका क्षेत्रफल 96.75 वर्ग मीटर है, जो उज्जैन विकास प्राधिकरण की योजना के अंतर्गत, मकान संख्या सी-1, एलआईजी, ऋषि नगर, उज्जैन, मध्य प्रदेश-456010 में स्थित है, एवं साथ ही उस पर भवन निर्मित है।	साम्यिक बंधक	श्री दिलीप गुप्ता	25-06-2024 (MDTD)
***2. आवासीय संपत्ति का वह संपूर्ण भाग, जिसका कुल क्षेत्रफल 466.90 वर्ग मीटर (अतिरिक्त भूमि का भाग 134.90 + 332.00 प्लॉट क्षेत्र) है, जो नगर निगम भवन संख्या ए-44, अभिलाषा कॉलोनी, सेक्टर-ए, ग्राम हमुखेड़ी, देवास रोड, जिला उज्जैन, मध्य प्रदेश में स्थित है, और जिस पर भवन निर्मित है।**	साम्यिक बंधक	श्री दिलीप गुप्ता	25-06-2024 (MDTD)

नोट: उमर क्रं.सं. 2 में उल्लिखित बंधक संपत्ति श्री दिलीप गुप्ता (टीएल खाता संख्या 8077001600029201) के खातों में ऋण सुविधा हेतु एक सामान्य प्रतिभूति के रुप में रखी गई है। उक्त ऋण खातों को आज की तिथि में एनपीए के रुप में भी वर्गीकृत किया गया है। 21-04-2026 तक उक्त ऋण खातों में वर्तमान बही शेष रु. 53,27,954.40 + उस पर भविष्य का ब्याज और अन्य प्रभार है। बैंक उक्त खातों में देय राशि की वसूली के लिए अलग से कानूनी/वसूली कार्रवाई शुरू करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

कृपया ध्यान दें कि इस प्रकाशन की तिथि से **60 दिनों** की समाप्ति पर या उससे पहले आपके द्वारा अपने संपूर्ण दायित्वों (देनदारियों) का पूर्ण रुप से निर्वहन करने में विफल रहने की स्थिति में, मैं, प्रतिभूत लेनदार बैंक का प्राधिकृत अधिकारी, पूर्वोक्त प्रतिभूति का प्रवर्तन करने का आशय रखता हूँ।

इसके अतिरिक्त, आपका ध्यान अधिनियम की धारा 13 (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जिसके तहत बंधक के मोचन (छुड़ाने) का समय केवल सार्वजनिक नीलामी या निविदाएं आमंत्रित करने हेतु नोटिस के प्रकाशन की तिथि तक ही उपलब्ध है।

ह/-
मुख्य प्रबंधक एवं
प्राधिकृत अधिकारी, कर्नाटका बैंक लिमिटेड

दिनांक : 22.04.2026

कार्यालय नगर पालिक निगम, इन्दौर

ड्रेनेज विभाग

विज्ञप्ति क्रमांक: 09 | **निविदा सूचना** | दिनांक: 08.05.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

ग्रुप क्र.	1. टेंडर क्र. 2. जारी दिनांक	कार्य का नाम	1. कार्य की समयावधि 2. लागत	1. निविदा प्रपत्र का मूल्य 2. ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_505888 08-05-2026	झोन 01 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹77,40,015/-	₹10,000/- ₹58,100/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
02	2026_UAD_505889 08-05-2026	झोन 02 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹68,42,998/-	₹10,000/- ₹51,400/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
03	2026_UAD_505890 08-05-2026	झोन 03 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹67,68,893/-	₹10,000/ ₹50,800/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
04	2026_UAD_505891 08-05-2026	झोन 04 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹74,75,496/-	₹10,000/- ₹56,100/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
05	2026_UAD_505892 08-05-2026	झोन 05 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹65,93,053/-	₹10,000/- ₹49,500/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
06	2026_UAD_505893 08-05-2026	झोन 06 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹67,43,495/-	₹10,000/- ₹50,600/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
07	2026_UAD_505894 08-05-2026	झोन 07 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹81,77,439/-	₹10,000/- ₹61,400/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
08	2026_UAD_505895 08-05-2026	झोन 08 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹74,48,052/-	₹10,000/ ₹55,900/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
09	2026_UAD_505896 08-05-2026	झोन 09 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹74,53,137/-	₹10,000/- ₹55,900/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
10	2026_UAD_505898 08-05-2026	झोन 10 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹81,72,354/-	₹10,000/- ₹61,300/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
11	2026_UAD_505899 08-05-2026	झोन 11 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹76,42,111/-	₹10,000/- ₹57,400/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
12	2026_UAD_505900 08-05-2026	झोन 12 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹74,48,052/-	₹10,000/- ₹55,900/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
13	2026_UAD_505901 08-05-2026	झोन 13 में क्षतिग्रस्त चैम्ब और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹80,12,939/-	₹10,000/- ₹60,100/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
14	2026_UAD_505902 08-05-2026	झोन 14 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹78,07,535/-	₹10,000/- ₹58,600/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
15	2026_UAD_505903 08-05-2026	झोन 15 में क्षतिग्रस्त चैम्बर और जल निकासी लाइन की मरम्मत और निर्माण तथा उस पर एस.एफ.आर.सी. मैनहोल कवर लगाना।	8 माह ₹77,86,842/-	₹10,000/- ₹58,500/-	08-06-2026 (शाम 06:00 बजे तक) 09-06-2026
16	2026